शरण मी जाऊं कवणा रे।।३।।

पद ४३

(राग: मल्हार - ताल: तिलवाडा)

व्यंकटराया संकट वारी तारी तारी दीना रे।।ध्रु.।। नयन भुकेले

दर्शन घ्याया। धीर न धरवे मना रे।।१।। मी बुडतो भवसागरडोही।

येऊं दे कांही करुणा रे।।२।। माणिक म्हणे प्रभु तुझिया वाचुनी।